



Lalithaa Jewellery  
Mart Limited

वर्ष-29 अंक : 153 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टनम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.5/6 2081 शनिवार, 24 अगस्त-2024

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र  
**वार्ता**



epaper.vaartha.com

श्रावण मास सेल

सोने के आभूषणों  
पर बाजार में न्यूनतम वी.ए.

दायमंड आभूषणों  
पर अंतिम कैरेट

₹5000  
कम।

V.A. 1% कम।



Lalithaa Jewellery  
Mart Limited

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर \* पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

*Don't miss!*

**3**

*Days only!*



## श्रावण मास सेल

Extended till August 26

सोने के आभूषणों

पर बाजार में न्यूनतम वी.ए. (वैल्यू एडिशन)  
चार्जेज से भी

**V.A. 1% कम।**

दायमंड आभूषणों

पर प्रति कैरेट

**₹5000 कम।**

~~₹62000~~ ₹57000

0.5% Extra Discount on  
UPI Payments

कृपया ललिता के न्यूनतम वी.ए. की तुलना बाजार के अन्य जगहों से करें।  
आभूषण छरीदाने का उत्तम तरीका, जहां आपको सबसे अच्छी कीमत मिले वहां छरीदें।



### ध्यान दें: सोने के आभूषण छरीदार!

आभूषणों की छरीदारी एक उच्च मूल्य वाली छरीदारी है, और आप इसे भ्रामक प्रस्तावों के बीच छरीद रहे हैं, जो उच्च अपव्यय शुल्क से ध्यान भटकाता है। यदि आप छरीदाने से पहले बाजार के बीच कीमत की तुलना नहीं करते हैं, तो आपको देय राशि से अधिक भुगतान करना पड़ सकता है। अपनी गाढ़ी कमार्ड का उपयोग वहाँ करें जहाँ अधिकतम लाभ मिले और इसे पाने के लिए हमारे एस्टीमेट स्लिप और मोबाइल फोटो का उपयोग करें।

### ध्यान दें: हीरे के आभूषण छरीदार!

मान लीजिए कि ४ कैरेट वजन के हीरे के आभूषण के लिए, भले ही आप प्रति कैरेट 5000 रुपये अधिक भुगतान करते हैं, इसके परिणामस्वरूप कुल कीमत में 20000/- रुपये का अंतर आएगा। ललिता ज्वैलरी '57000 रुपये प्रति कैरेट' पर बेचती है। बाजार में 75000 रुपये और 85000 रुपये प्रति कैरेट जैसी कीमतों पर बेचा जाता है! इसके अलावा, हीरे को 'कैरेट' में और सोने को 'ग्राम' में तौला जाता है। यदि आपसे सोने के आभूषणों के लिए हीरे के वजन का शुल्क लिया जाता है, तो आपके द्वारा भुगतान की जाने वाली अतिरिक्त राशि हजारों या लाखों में भी हो सकती है।

Customer Care 90 99 999 916  
www.lalithajewellery.com

**Lalithaa Jewellery Mart Limited**

Lakhs Of Designs!

100% Quality - BIS 916 Hallmark

#### Newly Opened



SUCHITRA CIRCLE  
A-Block, Green Park Avenue,  
Suchitra Road, Jeedimetla.  
Ph: 040 - 2703 5555 / 2784 5555,  
8925848140 / 41.



SOMAJIGUDA  
SBR Souk,  
Opp.Rajiv Gandhi Statue.  
Ph: 040 - 6748 6677.



KUKATPALLY  
PNR Empire,  
Near KPHB Metro Station.  
Ph: 040 - 2384 2277  
/ 2200 / 2299.



DILSUKHNAGAR  
Archana complex,  
Opp. to Metro pillar no: A 1558,  
Chaitanya puri Circle.  
Ph: 040 - 29334505 / 9133832704.



CHANDA NAGAR  
Infinity Mall.  
Ph: 040 - 29343501  
7799775815.



NIZAMABAD  
Dwarka Nagar,  
Gopal Bagh.  
Ph: 08462 - 233 555



# डायमंड ज्वेलरी सेल

पर प्रति कैरेट

**₹ 5000 कम।**

~~₹ 62000~~ ₹ 57000

आपको हमारे साथ कीमत क्यों जांचनी चाहिए?

जब आपको सबसे उचित मूल्य (वाजार में सबसे कम, जिसे आप स्वयं जांच सकते हैं) पर सही स्पष्टता और रंग के साथ प्रमाणित और निर्वाचित हीरे के आभूषण मिलते हैं, तो अवसर क्यों छोना है? हमारे यहाँ से हार खरीदते समय आप जो पैसे बचाते हैं, उतने में शायद आपको हीरे की बालियों की एक जोड़ी मुफ्त में मिल जाएगी!

**NOTE:** We don't slap double charges like V.A & Making Charges (M.C) as in other showrooms. Only V.A - which is also market's lowest!

#### कॉलिटी सर्टिफिकेट:

कॉलिटी के प्रमाण के रूप में, हम केवल इन-हाउस सर्टिफिकेट प्रदान नहीं करते हैं। हम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त तीसरे पक्ष से प्रामाणिकता सर्टिफिकेट प्रस्तुत करते हैं।

#### रंग और स्पष्टता:

हम VVS स्पष्टता के साथ केवल वेहतर E-F रंग ग्रेड हीरे ही बेचते हैं। हम G-H रंग ग्रेड जिसकी कॉलिटी कम है नहीं बेचते हैं।

#### वापस छारीदें:

हीरे के गहनों के लिए 100% एक्सचेंज; सोने के आभूषण के लिए 90%; नकद के आभूषण के लिए 85%।

## FREE & FLEXI

11 महीने की आभूषण खरीद योजना!

चाहे सोने का भाव बढ़े या गिरे आपको फायदा होगा!

सभी सोने के आभूषणों,  
बिना कटे हीरे के आभूषणों और चांदी के बर्तनों पर

**100% कोई भी वी.ए लागू नहीं।**

आसान किस्तों पर उपलब्ध  
₹1000 / ₹1500 / ₹2000 / ₹2500 / ₹5000  
₹10000 / ₹15000 / ₹20000 / ₹25000

## JEWELLERY EXCHANGE PLAN

ज्वैलरी पूर्व बुकिंग प्लान

**100% कोई V.A. Charges नहीं**

भुगतान केवल एक ही बार! सुविधाजनक विकल्प, 5 महीनों से शुरू!

यदि आप डिलीवरी 11 महीनों बाद लेना चाहें तो, आपको 1% भी वी ए शुल्क नहीं देना होगा,

16% या 20% वी ए शुल्क वाली ज्वैलरी के लिए भी नहीं।

आप पूर्व बुकिंग के लिए अपनी पुरानी ज्वैलरी भी एक्सचेंज कर सकते हैं।  
सिर्फ आप प्रतिशत (0.5%) रियलाने और शुद्ध करने के शुल्क के रूप में काटा जाएगा।



No Wastage (V.A.) Charges on  
**99%** of Silverware.



**Lalithaa Jewellery Mart Limited**

Customer Care | LAKHS OF DESIGNS!  
90 99 999 916 | 100% QUALITY - BIS 916 HALLMARK

HYDERABAD - SOMAJIGUDA: SBR Souk, Opp.Rajiv Gandhi Statue. Ph: 040 - 6748 6677. KUKATPALLY: PNR Empire, Near KPHB Metro Station.

Ph: 040 - 2384 2277 / 2200 / 2299. DILSKHNAJAR: Archana complex, Kamala nagar road, Opp. to Metro pillar no: A 1558, Chaitanyapuri Circle.

Ph: 040 - 29334505 / 9133832704. CHANDA NAGAR: Infinity Mall. Ph: 040 - 29343501 / 7799775815. SUCHITRA CIRCLE: A-Block, Green Park Avenue,

Suchitra Road. Ph: 040 - 2703 5555 / 2784 5555, 8925848140 / 8925848141. NIZAMABAD - Dwaraka Nagar, Gopal Bagh. Ph: 08462 - 233 555.

VIZAG - VIJAYAWADA - VIZIANAGARAM - RAJAMAHENDRAVARAM - BHIMAVARAM - KAKINADA - TIRUPATHI - COPALAPATNAM - SRIKAKULAM - GUNTUR - ANANTAPUR - ONCOLE - NARASARAOPT - GAJUWAKA - CHITTOOR - ANAKAPALLI - SULLURUPETTA - GUDUR - NELLORE - KURNIOOL - BENGALURU - MANGALURU - MYSURU - CHENNAI - GUDIYATHAM - MADURAI - TRICHY - PUDUCHERRY - KUMBAKONAM - RAMANATHAPURAM - KOVAI - NAGERCOIL - SALEM - ERODE - TIRUPPUR - TIRUNELVELI - THENI - RAJAPALAYAM









## **लड़कियों का बेहतर प्रदर्शन**

शिक्षा मंत्रालय का जो रिपोर्ट हाल ही में आई है उसके अनुसार, देश भर के स्कूलों में लड़कियां बेहतर प्रदर्शन में लड़कों से कहीं आगे हैं हैं। 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में लड़कियों का पासिंग प्रतिशत लड़कों से ज्यादा है। साइंस और आर्ट्स स्ट्रीम में भी लड़कियों ने ही बाजी मारी है। यह ट्रेंड कॉलेज परीक्षाओं और प्रोफेशनल एजेंसी तक में भी देखा जा रहा है। देखा जाए तो मंत्रालय की ओर से किया गया 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के विश्लेषण में स्कूलों में लड़कियों की ओर से तिखी जा रही कामयाबी की सुनहरी कथाएं मिलती हैं। यह लगातार दूसरा साल है जब शिक्षा मंत्रालय ने देश के 59 स्कूल बोर्डों के रिजल्ट्स का विश्लेषण करते हुए अपनी रिपोर्ट पेश की है। यह सुखद नतीजा तब आ रहा है, जब समाज और परिवार के अंदर लड़कियों को किस तरह के पूर्वाग्रह भरी दृष्टि का सामना करना पड़ता है। इस रिपोर्ट में उसका एक ज्वलत उदाहरण इस तथ्य के रूप में उभरता है कि देश भर में प्राइवेट स्कूलों में लड़कों को पढ़ाया जाता है तो सरकारी स्कूलों में लड़कियों की संख्या ज्यादा है। इससे साफ है कि मां-बाप चाहते हैं बेटे महंगी लेकिन ज्यादा अच्छी शिक्षा ग्रहण कर अपना भविष्य संवारें। जबकि बेटियों को अधिकतर सरकारी स्कूलों में जैसे-तैसे पढ़ाना ही काफी माना जाता है। मजेदार बात तो यह है कि इतने भेदभाव के बावजूद लड़कियों के जज्बे में कोई कमी आने की बजाय वह और मजबूत होता जा रहा है। परीक्षा परिणाम का विश्लेषण बताता है कि बोर्डों, स्कूलों और विषयों के भेदों से ऊपर उठते हुए लड़कियां हर क्षेत्र में लड़कों पर बीस पड़ रही हैं। 10वीं और 12वीं दोनों में, चाहे स्टेट बोर्ड हों या नेशनल और चाहे प्राइवेट स्कूल हों या सरकारी, लड़कियों का पासिंग परसेंटेज लड़कों से बहुत आगे है। रही स्ट्रीम सिलेक्शन की बात तो साइंस आज भी बच्चों व मां-बाप के लिए सबसे लोकप्रिय विषय रहा है। करीब 43% स्टूडेंट्स साइंस स्ट्रीम में अपीयर हुए और 34% आर्ट्स स्ट्रीम में। खास के लिए मजबूर कर दिया। इसी पूना पैकेज की देने दलितों और आदिवासियों को मिला आरक्षण है। दलितों को मिला आरक्षण एक तरह से कर्ण को मिले कवच की तरह है जिसे कभी भी दलितों की मर्जी के बिना छीना नहीं जा सकता क्योंकि ये कानून शरीर से चिपका हुआ है जिसे सिर्फ दलितों ही उतार कर फेंक सकते हैं। कर्ण कानून को धारण करके बेफिक्क होकर लड़ सकता था लेकिन दलितों का ये कवच उसे बुझाव बन गया है। आजादी के बाद कांग्रेस, दलित नेताओं और संगठनों ने इस आरक्षण को कवच की जगह एक ढंग पर प्रचार में बदल दिया। जैसे व्यक्ति ढंग पर प्रचार में एक हाथ से पकड़ घूमता रहता है, ऐसे ही दलित समाज पिछले 77 सालों से इस आरक्षण को लेकर घूम रहा है। इसका मतलब यह है कि आजादी के बाद से लेकर अब तक कांग्रेस, अन्य विपक्ष दल, दलित नेता और संगठन दलितों ने उत्तर रहे हैं कि तुम्हारा आरक्षण कभी छीना जा सकता है और दलित पिछले सालों से सिर्फ आरक्षण की रक्षा में ही रह रहा है। आरक्षण संविधान या कांग्रेस नहीं दिया है बल्कि यह तो संविधान बाद से पहले ही बाबा साहब के संघर्ष से मिला हुआ अधिकार है जिसे बाद में संविधान दल भी शामिल किया गया है। दलित समाज ने आरक्षण बड़ी कीमत देकर हासिल किया है।

## **दलित वोटों की लड़ाई में सपा-बसपा आमने-सामने**



अजय कुमार

विपक्ष न इस मोदी को धेरने का हाथियार बना लिया। पूरा विपक्ष अपनी पीठ ठोक रहा है। पीठ ठोकने वालों में यूपी के नेता मायावती और अखिलेश यादव सबसे आगे नजर आ रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव को तो लगता है कि इससे यूपी की राजनीति की धूरी ही बदल जायेगी। बसपा प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई थी कि उनके तीव्र विरोध के बाद सरकार ने सीधी भर्ती वाला निर्णय वापस लिया है। वहाँ, सपा प्रमुख अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि पिछले दरवाजे से आरक्षण को नकारते हुए नियुक्तियों की साजिश अखिलेश यादव की एकता के आगे झुक गई। मतलब यह है कि फैसला केंद्र ने वापस लिया लेकिन अखिलेश और मायावती खुद इसका क्रेडिट ले रहे हैं। वैसे सियासत इसी को कहा जाता है। वैसे यह पहली बार उन्हीं द्वारा है कि सपा-प्रमुख विपक्षी शिंडे गठबंधन में शामिल होकर संविधान की रक्षा का मुद्दा भी जेर-शोर से उठाया था, उसका फायदा जब ईंडिया गठबंधन को मिला तो बसपा सुप्रीमो को अपना राजनीतिक भविष्य अंधकार में नजर आने लगा। इससे पहले मायावती को भी यह उम्मीद नहीं थी कि सपा का यह दाव इतना अधिक कारगर होगा। नतीजे आए तो सपा ने यूपी में अकेले 37 सीटें जीत लीं। साथ में कंग्रेस को भी छह सीटों पर जीत हासिल हुई और बसपा का सफाया हो गया। वोट प्रतिशत भी खिसक कर मात्र करीब साढ़े नौ प्रतिशत पर आ गया। इससे साफ हो गया कि सपा के द्वारा बसपा के दलित वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी कर ली गई है। तब से मायावती की एक ही कोशिश है कि किसी तरह अपना दलित वोटबैंक वापस लाया जाए। इसके लिए मायावती लगातार दलित हितों से जुड़े मुड़े उठा रही है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने एसपी-प्रमाणी आपात्काल में वर्तीकाला प्र

नहा हुआ ह क परस्पर विराधा  
बसपा और सपा नेताओं के सुर एक  
जैसे सुनाई पड़ रहे हों, इसी तरह  
के सुर आरक्षण में वर्गीकरण के  
मुद्दे पर भी देखने को मिले थे, ज  
बसपा ने बंद का समर्थन किया तो  
अखिलेश ने भी तुरंत इसके समर्थन  
में पोस्ट लिख कर अपना पक्ष रखा  
दियस। बात यहाँ तक सीमित नहीं  
है, आरक्षण से जुड़े हर मुद्दे पर  
मायावती और अखिलेश लगातार  
आक्रामक दिख रहे हैं। आखिर क्या  
वजह है कि आरक्षण के मुद्दे पर  
दोनों के सुर एक हैं? या दोनों के  
बीच एक रेस लगी हुई है कि  
दलितों और पिछड़ों का ज्यादा  
हितैशी कौन है? आखिर इस मुद्दे के  
जरिए मायावती और अखिलेश  
कौन-सी राजनीति साथ रहे हैं?  
इस तमाम सवालों का जवाब  
समझने के लिए पिछले लोकसभा

एस्टा आरक्षण म वगाकरण पर  
अपना मत दिया, तो मायावती की  
उम्मीद को पंख लग गये। मायावती  
ने तुरंत इस मुद्दे को लपक लिए।  
सबसे पहले उनकी प्रतिक्रिया आई।  
इसे पूरी तरह गलत ठहराते हुए  
उन्होंने भाजपा के साथ ही सपा-  
कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों को भी  
धेरना शुरू कर दिया। वह संसद में  
संविधान संशोधन लाने की मांग  
पर अड़ गई। इस मुद्दे पर उन्होंने  
दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की और  
सोशल मीडिया के जरिए कई  
बायान दिए। शुरुआत में कांग्रेस ने  
इस पर सधी प्रतिक्रिया दी, लेकिन  
मायावती के आक्रामक रुख को  
देखते हुए सपा ने भी खुलकर मोर्चा  
खोल लिया। इसी बीच 69,000  
शिक्षक भर्ती का मामला भी  
उठा, जिस पर सपा और बसपा दोनों  
ही आक्रामक दिखे।

**सुरेश मिश्रा**

बांग्लादेश की र  
ढाका में सियासी  
आया। सड़कों पर  
पानी और कीच  
समंदर था। लेकि

सबके बीच, सियासत और सोशल मीडिया बहस का ज्वार चल रहा था। जैनब, एक मीडिया इन्फ्लुएंसर, अपने स्मार्टफोन के साथ सड़क पर खड़ी थी। वो खुद सच्चाई की पीड़ित दर्शक मान रही थी। उसने प्रधानमंत्री के आवास के सामने ली, उसने सोचा, “अब इस पोस्ट पर लाइक्स और शेयर मिलेंगे!” “जैनब, तुम कर रही हो?” साजिद, उसका दोस्त उन्होंने राजनीतिक कार्यकर्ता, उसके पास “सेल्फी ले रही हूँ, साजिद! इसे देखने लोग तो यहीं सोचेंगे कि ढाका में अब मुझे

# भारत बंद ने दलित राजनीति की कमजोरी उजागर कर दी

**राजेश कुमार पासी**

बाबा साहब अच्छदकर दालत आन्दाज़ को वहां लेकर आ गए थे जिसके दलितों के लिए एक अलग देश की मुठ उठ सकती थी। गांधी जी ने इसे समय भांप लिया और बाबा साहब को पूना पैके लिए मजबूर कर दिया। इसी पूना पैकी देन दलितों और आदिवासियों को मिला आरक्षण है। दलितों को मिला आरक्षण एक तरह से कर्ण को मिले कवच की तरह है जिसे कभी भी दलितों की मर्जी के बिछीना नहीं जा सकता क्योंकि ये कश शरीर से चिपका हुआ है जिसे सिर्फ दलित ही उतार कर फेंक सकते हैं। कर्ण कर्ण को धारण करके बेफिर होकर लड़ सकता था लेकिन दलितों का ये कवच प्रभु सुखीवत बन गया है। आजादी के बाकी कांग्रेस, दलित नेताओं और संगठनों ने आरक्षण को कवच की जगह एक ढंग पजामे में बदल दिया। जैसे व्यक्ति ढंग पजामे को एक हाथ से पकड़ धूमता रहता है, ऐसे ही दलित समाज पिछले 77 सालों से इस आरक्षण को लेकर धूम रहा है। इसका मतलब यह है कि आजादी के बाद से लेकर अब तक कांग्रेस, अन्य विपद्दल, दलित नेता और संगठन दलितों डराते रहे हैं कि तुम्हारा आरक्षण कभी छीना जा सकता है और दलित पिछले सालों से सिर्फ आरक्षण की रक्षा में ही रह द्या है। आरक्षण संविधान या कांग्रेस नहीं दिया है बल्कि यह तो संविधान बाबा से पहले ही बाबा साहब के संघर्ष से मिल हुआ अधिकार हैं जिसे बाद में संविधान भी शामिल किया गया है। दलित समाज ने आरक्षण बड़ी कीमत देकर हासिल किया

है क्योंकि आरक्षण के कारण ही अलग देश की मांग छोड़ दी गई। आरक्षण छिनने का डर ऐसा है कि दलित समाज ने कभी अपने साथ हुए अन्याय को समझा ही नहीं क्योंकि उसका ध्यान हमेशा आरक्षण पर लगा रहा। सवाल यह है कि आरक्षण तो बाबा साहब की देन है, फिर कांग्रेस ने दलितों को क्या दिया। पिछले 77 सालों से दलित समाज के नेताओं और संगठनों ने क्या हासिल किया। वास्तव में पिछले 77 सालों से ये लोग आरक्षण बचाने की लड़ाई लड़ते आ रहे हैं जबकि आरक्षण को कभी कोई खतरा था ही नहीं। आज तक हिन्दू समाज ने आरक्षण को खत्म करने के लिए कोई छोटा सा भी अंदोलन नहीं किया है। दलित-आदिवासी समाज की जनसंख्या को देखते हुए किसी पार्टी की हिम्मत नहीं है कि वो आरक्षण खत्म करने की बात सोच भी सके। दलित नेताओं और संगठनों की राजनीतिक समझ लगभग शून्य है, इसलिए उन्होंने 21 अगस्त को भारत बंद बुलाया था। इसकी वजह बर्ताई गई, सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण में राज्यों को उपवर्गीकरण का अधिकार देना और आरक्षण में क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की सलाह देना। वास्तव में ये प्रदर्शन विरोध जताने के लिए नहीं था बल्कि दलित संगठन अपनी ताकत दिखाना चाहते थे। सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ़ क्रीमी लेयर लागू करने के बारे में टिप्पणी की है, न तो कोई आदेश दिया है और न ही सरकार को कोई निर्देश दिया है, इसके बाबजूद केंद्र सरकार ने क्रीमी लेयर के विचार को ही पूरी तरह से नकार दिया है। जहां तक उपवर्गीकरण की बात है तो वो भी कोई आदेश नहीं है बल्कि राज्यों को

गोकरण का अधिकार दिया गया है जो हले सिर्फ केंद्र सरकार के पास था। सरकार की ऐसी कोई योजना नहीं है कि उसके पास तो पहले से ही ये कार है। जिन राज्यों ने उपर्याकरण की है उन्हें इस प्रदर्शन से फर्क पड़ने नहीं है क्योंकि उन राज्यों में दलित भी इसकी मांग कर रहा है। तमिलनाडु, आंध्र, कर्नाटक और हरियाणा में यह लागू करता है। भारत बंद का इन राज्यों में असर नहीं हुआ, इसका मतलब है कि उन राज्यों का दलित समाज उपर्याकरण विवालफ नहीं है। जिसे भारत बंद कहा जाता है, वो सिर्फ दो-तीन राज्यों तक नहीं बल्कि असर नहीं हुआ, इसका मतलब है कि उन राज्यों के गढ़ यूपी में इसका कोई असर नहीं दिया। दलित संगठनों की जान पर क्यों दुकानदार और व्यापारिक इटान अपना कामकाज बंद करेंगे, इस न संगठनों ने विचार ही नहीं किया। एक बात यह है कि ये प्रदर्शन किसके द्वारा किया जा रहा है, ये बड़ा सवाल है। कोई केंद्र सरकार का इसमें कोई रोल नहीं है और सुप्रीम कोर्ट को ऐसे प्रदर्शनों के विरुद्ध नहीं पड़ता। आरक्षण किसी दूसरे देश जाना नहीं है बल्कि दलितों में छूट गई जातियों को आगे लाने की जागरूकता है। आरक्षण न तो कम किया जा सकता है और न ही बढ़ाया जा रहा है तो ये न क्यों किया गया था। वास्तव में निवार जातियां नहीं चाहती हैं कि गोरे जातियों को उनका हक मिले, न वो अपनी ताकत दिखाकर सरकार बाब बना रही हैं। दलितों में ही सर्वण पैदा हो गया है और वो ही सारे उपर का फायदा ले रहा है, वो दूसरे

क देना नहीं चाहता, इसलिए सरकार राह रहा है कि वो आरक्षण में बिल्कुल छड़ाइ न करे. जैसा चल रहा है वसा दिया जाए। विडंबना यह है कि गोरे जातियों और गरीब दलितों की संगठनों में बिल्कुल भागीदारी नहीं लिए उनकी आवाज सुनने वाला कोई है। जिनके पास ताकत है वो अपनी दिखा रहे हैं और जो कमज़ोर हैं, वो चुपचाप बैठे हुए हैं। भारत बंद के नारा लगाया जा रहा था कि छीनकर आरक्षण. सवाल उठता है कि किससे गये। दलित संगठन आखिर अपनी कहां खर्च कर रहे हैं, इस पर उन्हें करना चाहिए। वो अपने ही समाज-वै-कुचले लोगों को अधिकार देने के लिए खड़े होंगे तो दलित संघर्ष का क्या कारण के कारण दलित समाज के ही लोगों द्वारा दिया जाता है, वैसे इन्हें कभी जातिवाद नहीं देता है। अपने नेताओं का साथ नाम समाज देता है लेकिन अपने समाज का धर्म बदल चुके थे। न्यायपालिका में मुस्लिम अपना हिस्सा पाने में कामयाब रहे लेकिन दलित कहीं नज़र नहीं आये। वास्तव में दलित राजनीति का सच यह है कि ये कभी आरक्षण से अलग कुछ सोच ही नहीं पाई, इसलिए आरक्षण के अलावा कुछ हासिल नहीं हो सका। आजादी के बाद भूमि सुधार अंदोलन में जब जमीनों का बटवारा हुआ तो कांग्रेस ने दलितों को खाली हाथ छोड़ दिया। मुस्लिम एक अलग देश लेकर भी वक्फ बोर्ड के नाम पर नौ लाख एकड़ जमीन के मालिक बन बैठे हैं। जिन जातियों को जमीन बंटवारे का बड़ा हिस्सा मिला, वो भी ओबीसी आरक्षण में फायदा ले गई। आजादी के तीन-चार दशकों में शिक्षा व्यवस्था में दोहरी प्रणाली लागू कर दी गई।

# **न्याय में देरी का रिकार्ड कायम करती अदालतें !**



## मनोज कुमार अग्रवाल

1992 के अजमेर सेक्स स्कैंडल में अब बत्तीस साल बाद अदालत का फैसला आया है। इस मामले के आरोपी नफीस म उर्फ टार्जन जैसे 6 विंग्टों को आजीवन सजा सुनाई गई है। की अदालत और ज देने वाले विश्व भर वस्थाओं में संभवतः त और न्यायपालिका व रिकॉर्ड कायम कर या यही है हमारी लोकतंत्र की कानून समें न्याय देने में लग जाते हैं? 1992 विंग्टों नाबालिग व बालिग एक स्कैंडल के तहत नैन शोषण करने के एक मामले में तीन निचली अदालत ने आरावास की सजा का बना हमारे देश की था पर ही सवालिया ता है। राजस्थान का जा मोइनूदीन हसन दरगाह और पुष्कर जह से पूरे दुनिया में सधार्मिक शहर की साल 1990 से 1992 मा हुआ, जो ना सिर्फ संस्कृति को कलंकित था, बल्कि अजमेर के बाने-बाने पर बदनुमा या। उस वक्त एक क नवज्योति अखबार खबर छपी जिसने कर कर ख्य दिया था। इस कूली छात्राओं को लील तस्वीरों के जरिए रहते हुए उनका यौन जाने का पर्दाफाश था। "बड़े लोगों की क्रमेल का शिकार" प्रकाशित खबर ने हाथों में अखबार साथ ही भूचाल ला ता, क्या पलिस, क्या प्रशासन, क्या सरकार, क्या सामाजिक धार्मिक नगर सेवा संगठन से जुड़े लोग सब के सब सहम गए। यह कैसे हो गया? कौन है? किसके साथ हुआ? इसके बाद खुलासा हुआ कि एक गिरोह अजमेर के बड़े नाम वाले गल्स्स स्कूल में पढ़ने वाली लड़कियों को फार्म हाउसों पर बुला-बुला कर रेप करता रहा और उन लड़कियों के घरवालों को भनक तक नहीं लगी। रेप की गई लड़कियों में आईएएस, आईपीएस की बेटियां भी शामिल थीं। इस पूरे कांड को अश्लील तस्वीरों के जरिए ब्लैकमेल करके अंजाम दिया गया था। पीड़ित लड़कियों की संख्या 100 से अधिक बताई गई थी। इन लड़कियों की उम्र 12 से 20 साल के बीच थी। बताया गया है कि इस कांड की शुरूआत में सबसे पहले फारूक चिश्ती नामक एक शख्स ने पहले नामी स्कूल की एक लड़की को फंसाया। उसके साथ रेप किया। इस दौरान उसने उसकी अश्लील तस्वीरें खींच ली। इसके बाद वो इन अश्लील तस्वीरों के जरिए उसे ब्लैकमेल करने लगा। उससे स्कूल की दूसरी लड़कियों को बहला-फुसला कर लगाने के लिए कहने लगा। मजबूरन वो लड़की अपनी सहेलियों को भी फार्म हाउस ले जाने लगी। उन सभी के साथ रेप और ब्लैकमेल का खेल होता रहा। एक के बाद दूसरी, दूसरी के बाद तीसरी, इस तरह एक ही स्कूल की करीब सौ से ज्यादा लड़कियों के साथ रेप हुआ। घर वालों की नजरों के सामने से ये लकड़ियां फार्म हाउसों पर जाती थीं। उनके लेने के लिए बाकायदा गाड़ियां आती थीं। घर पर छोड़ कर भी जाती थीं। लड़कियों की रेप करते समय तस्वीरें ले ली जाती थीं। इसके बाद डुरा-धमका कर और लड़कियों को बुलाया जाता। स्कूल की इन लड़कियों के साथ रेप करने में नेता, पुलिस, अधिकारी भी शामिल थे। आरोप है कि फारूक चिश्ती रैकेट का सरगना था वही इस सेक्स रैकेट

में उसके साथ नफीस चिश्वार अनवर चिश्ती भी शामिल तीनों ही उन दिनों यूथ कांग नेता थे। फारूक अध्यक्ष था। इन लोगों की पहुंच दर्शन खादिमों तक भी थी। खादिम पहुंच होने के कारण रेप वालों के पास राजनीतिक धार्मिक दोनों ही तरह की शर्त थी। रेप की शिकार लड़कों ज्यादातर हिंदू परिवारों से होते हैं। करने वाले ज्यादातर मुसलिम हैं। समुदाय थे। इस बजह से उन्होंने डरती थी। आरोप तो यह भी था। इस कांड के बारे में जानकारी हुए भी पुस्तिकार्यालय नहीं बताए गए। उन्होंने डर था कि साम्राज्यिक दंगे न हो जायें। उस संभालना मुश्किल न हो और धीरे-धीरे इस स्कैंडल के पूरे शहर को पता चल लड़कियों की अश्लीलता हवा में तैरने लगी। जिसे मिलता वो हाथ साफ करता। लड़कियों को ब्लैकमेल उनके साथ रेप करता। यह निगेटिव से फोटो को उत्तर करने वाला टेकनिशियन भी शामिल हो गया था। समझ अपनी बेईज्जती होती लड़कियां एक-एक खुदकुशी करने लगीं। उनके से निकलने रास्ता जिद खत्म करना ही समझ क्योंकि परिवार, समाज, और प्रशासन तक कुछ नहीं रहा था। इस तरह 6-7 लड़कियों की खुदकुशी के बाद ग्राम संगीन हो गया। इसी बीच नवज्योति के एक पत्रकार गुप्ता ने इस केस पर सरीरों कर दी। उनकी खबरों ने और प्रशासन पर दबाव शुरू कर दिया। इसके तत्कालीन भैरोसिंह सरकार मामले की जांच सीआईडी को सौंपी थी। पीड़िताओं आरोपियों की पहचान करायी। 30 नवंबर 1992 को 3 बजे कोर्ट में पहली चार्जशीट दागी। जिसमें सभी 18 आरोपियों को दर्ज किया गया। 1994 में आरोपी पर्सनल

जमानत पर बाहर आया और आत्महत्या कर ली। 18 मई 1998 को फास्ट ट्रैक कोर्ट ने पहला फैसला सुनाया। सभी को उम्रकैद की सजा दी। 20 जुलाई 2001 हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया, जिसमें 4 को बरी कर दिया गया। 19 दिसंबर 2003 को सुप्रीम कोर्ट ने चार दोषियों को उम्रकैद की सजा को 10 साल कर दिया। 20 अगस्त 2024 यानी स्पेशल पॉक्सो एक्ट कोर्ट (जिला अदालत) ने को छह दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। मामले में आरोपी जहूर चिश्ती पर फैसला लंबित है। हैरानी की बात यह है कि 1992 में हुए इस कांड के बाद पुलिस के लिए को सामने लाना और सबूतों को सहेजकर रखना बहुत बड़ी चुनौती थी। क्योंकि पीड़िताओं ने समाज में बदनामी और दुष्कर्मियों के खौफ की वजह से अपना घर और शहर तक छोड़ दिया था और बतौर सबूत जमा किया गया सामान मसलन बिस्तर और कंडोम इत्यादि बदबू मारने लगे थे। अभियोजन विभाग के सहायक निदेशक विजय सिंह राठौड़ इस मामले की साल 2020 से पैरवी कर रहे हैं। उनसे पहले करीब 12 अभियोजक बदल चुके, उनके अनुसार कि इस कांड में 100 से ज्यादा स्कूली छात्राओं को दरिद्रों ने अपना शिकार बनाया, लेकिन अभियोजन पक्ष और पुलिस सिर्फ 16 पीड़िताओं को ही गवाही के लिए तैयार कर सकी। आखिर कुछ गवाही के बाद इनमें से भी 13 पीड़िताओं ने रसखदार आरोपियों के खौफ से कोर्ट में अपने बयान बदल दिए। ऐसे में अदालत में पीड़िताओं के पुराने बयानों के आधार पर कार्रवाही की। अब अजमेर की स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने सनसनीखेज सेक्स स्कैंडल में 6 और लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कोर्ट के जज रंजन सिंह ने हर आरोपी पर 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

## **कर्गीकरण या एक जुटता में ब्रेक**

अम्बुज कुमार

990 के दौर में मंडल कमीशन कारण पिछड़े वर्गों में राजनीतिक एकता अपने चरम रीमा पर पहुंच गई थी, जिसके कारण पिछड़ों की सरकार कई राज्यों और दिल्ली में भी बन गई। बाद में कमंडल की राजनीति नस्के पिछड़ों में वर्गीकरण कर भवित पिछड़ा बना दिया गया और रीमी लेयर के माध्यम से एकता छिन्न भिन्न कर दी गई। इसका तीजा निकला कि 8 से 10 वर्षों में पिछड़ों की एकता तहस-नहस बन गई। वर्तमान समय में पिछड़ों अनेक वर्ग बन चुके हैं, जो इन्हें कभी भी एकजुट नहीं होने दिये गए। मेरा तो मानना है कि यदि भाज 27% ओबीसी का आरक्षण द्वारा कर दिया जाए, तो पिछड़ा वर्ग ऐसा आंदोलन नहीं कर सकेगा, जिस तरह का आंदोलन भाज सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी में वर्गीकरण के राज्यों को देंगे गए अधिकार के बाद देखने को मिला। पूरे देश में अभूतपूर्व दंडी देखने को मिली। अन्य दियों के समय जरूरतमंदों, नाइकिल और बाइक वालों को भगल-बगल से होकर जाने की नमुनत रहती थी, लेकिन इस दंडों में मैं खुद अपने आंखों से देखा कि लोग बाइक को भी नहीं जाने दे रहे थे। बाइकों की कतारें भग गई थी। लोगों ने बाईपास का नहारा लिया या वापस लौट गए। एससी-एसटी में यही डर बना है कि क्रीमी लेयर के माध्यम से वर्गीकरण कर सरकार राजनीतिक एकता को तोड़ने जा रही है। यदि एक बार राजनीतिक एकता छिन्न भिन्न हो गई और अनेक टुकड़े हो गए तो उसके बाद इन्हें सत्ता लिए एकजुट होना मुश्किल होगा। वर्तमान दौर में बिहार में भवित पिछड़ा वर्ग अपने अधिकारों के प्रति बिल्कुल ही लापरवाह दिखता है। आरक्षण के सवालों को लेकर उसमें जागरूकता की लिए एकजुट होना मुश्किल है, अन्यथा केंद्र में सरकार नहीं बन पाती। एक चीज बिल्कुल स्पष्ट हो गई है कि बहुजन एकता की बात केवल नारों में दिखाई देती है। धरातल पर राजनीति में कहाँ भी एससी, एसटी और ओबीसी, ईबीसी में एकता को नहीं देख सकते हैं। सर्वण केंद्रित राजनीति के ध्रुव बीजेपी के लिए यही संजीवनी का काम करती है। बीजेपी भली भांति जानती है कि हम सर्वण को आगे कर राजनीति में नहीं टिक सकते, इसीलिए वह हर जगह जनसंख्या के अनुपात में और लोकप्रियता के अनुसार एक बहुजन नेता को खड़ा करती है और बहुजन हितैषी बनकर पूरा बोट ले लेती है। फिर अप्रत्यक्ष ढंग से सरकार में फ्रंट फुट पर बैटिंग करती है। बीजेपी के लिए आरक्षण और एससी एसटी एक शुरू से ही खटकता है। उसके कारोबार इसके खिलाफ ही रहते हैं। आरक्षण व्यवस्था को अप्रासंगिक करने के लिए ही ईडल्यूएस लाया गया था। अब तो पिछड़ों का एक तबका भी नुकसान को देखते हुए आरक्षण खत्म करने की बात करने लगा है। इसी समय लैटरल इंट्री ने आग में घी का काम किया है। जनदबाव में वापस तो लिया गया है, लेकिन बाद में पूर्ण बहुमत की सरकार होने पर सख्ती से लागू किया जा सकता है। दलित और अति पिछड़ों बोटरों में यही चेतना विकसित नहीं हो पा रही है। हालांकि दलित विंतक, प्रगतिशील तबके के लोग जागरूक करते हैं, लेकिन आम समाज पर असर नहीं दिखता है। जब यह सरकार अपनी वृति के अनुरूप कदम बढ़ाने लगती है, तब इन लोगों के पास सड़क पर निकलने के सिवाय दूसरा गास्ता नहीं बचता। अब सड़क पर निकलने की एक सीमा है। जब भीड़ सड़क पर

# सेल्फी और साज़िश: झूट की बेपरवाह उम्र



सुरेश मिश्रा

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सियासी तूफ़ान आया। सड़कों पर सियासी पानी और कीचड़ का समंदर था। लेकिन इस यासत और सोशल मीडिया की चल रहा था। जैनब, एक सोशल प्रसर, अपने स्मार्टफोन के कैमरे पर खड़ी थी। वो खुद को इस तरह दर्शक मान रही थी। जैसे ही वो के आवास के सामने सेल्फी ले गा, “अब इस पोस्ट पर कितने लायर मिलेंगे!” जैनब, तुम क्या सजिद, उसका दोस्त और एक यर्कर्ता, उसके पास आया। हूँ साजिद! इसे देखने के बाद वे कि ढाका में अब मझसे बड़ा सोशल एक्टिविस्ट जवाब दिया। साजिद कि इस सियासी तूफ़ानों की समस्याएँ प्लीज! जब तक सो कोई भी बात मायेन हुए कहा। वहीं दूसरे में, जब तीन मासूम आई, तो हर कोई हि पता लगने से पहले को अपनी चेपेट में संभालने के लिए, पत्रकार, एक टेलीविआ रहा था। “जोना मामला कितना बड़ा सहकर्मी ने पूछा। “हाँ कौन गलत, यह पता

ई नहीं है ! ” जैनब ने ने कहा, “तुम्हें लगता है मैं सेलफी से कुछ होगा ? पर ध्यान दो ! ” “ओह, मैं भी इन मीडिया पर ट्रेंड न हो, खत्ती ! ” जैनब ने हंसते गोरे, ब्रिटेन के साउथपोर्ट व्ययों की हत्या की खबर देता था। लेकिन सच्चाइ का दूध, द्वाठ की लाहर ने शहर लिया। इस स्थिति को जोनाथन, एक स्थानीय न स्टूडियो में बेताब नजर रखता है, तुम्हें पता है कि यह गया है ? ” एमी, उसकी लेकिन कौन सही है और आगे से पहले, हमारे पास भी एक अच्छी कहानी होनी ज़रूरी है ! ” जोनाथन ने ज़का क्या है, लोग द्वाठ को ही है ! ” फिर, एक सीधी बहस में “यह मामला ऐसा है जैसे इस च कभी पहुंच नहीं पाता ! ” की निगाहें डीपेक वीडियो अपरिका में, एक वायरल वाइडन सरकार को हमास की मदद भेजते हुए दिखाया टॉम, एक आम आदमी था, देखकर बेताब हो गया। वीडियो पर विश्वास कर रहे सारा ने उसे ताना मारा। “लंसीएनएन पर भी आया है ! कहा। “सीएनएन पर भी यह क्यों लगता है कि यह सच ?

हाहिए। बस, यही ब दिया। “सच्चाई बसे पहले मानते जोनाथन ने कहा, के पंख लगे हैं। सके बाद, दुनिया की तरफ मुर्दी। यफेक वीडियो ने ५ बिलियन डॉलर अमेरिकी नागरिक, इस वीडियो को म, तुम भी इस ?” उसकी पत्नी, न देखो, यह तो यूँ ने बेताबी से खाया है, तो तुम्हें ?” ज्यादा नुकसान होन का सभावना है, किर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। जानकारों का मानना है कि अति पिछड़ा वर्ग राजनीतिक अधिकारों के प्रति बोलना नहीं चाहता और वह नीतीश कुमार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता खत्म नहीं करना चाहता। यही कारण है कि दो महीना पहले संपन्न लोकसभा चुनाव में तमाम समाज के प्रगतिशील लोगों द्वारा स्पष्ट कहा जा रहा था कि बीजेपी संविधान और आरक्षण को बदल सकती है लेकिन इसके बावजूद अति पिछड़े और दलितों ने अपना विश्वास सरकार के प्रति ही बनाए रखा क्योंकि चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कशवाहा आगजना, डडा भजन आद आम बातें होती हैं। इन चीजों से प्रत्यक्ष रूप से आम जनता को ही समस्या होती है। जरूरतमंदों के विभिन्न कार्य छूट जाते हैं किसी के रिशेदारी में इमरजेंसी कार्य छूट जाते हैं। इसलिए चेतना की जरूरत है, जिससे हमें बोध हो कि कौन वर्ग हमारा दोस्त है और कौन वर्ग हमारा बुरा चाहता है। इसके आधार पर राजनीतिक निर्णय लेने की जरूरत है। अब इस निर्णय से गरीब एससी एसटी को होने वाले लाभों के बारे में बताया जा रहा है तो इस पर भी विचार विमर्श होना चाहिए। संसद को भी संकल्प के माध्यम से चर्चा के लिए रखना जरूरी है।



## मेष से मीन तक जन्माष्टमी पर राशि अनुसार करें कान्हा का श्रृंगार

### मेष राशि

इस राशि के स्वामी मंगल हैं और उनका प्रिय रंग लाल है। ऐसे में इस राशि के जातकों को भगवान कृष्ण का श्रृंगार लाल वस्त्रों से करना चाहिए। साथ ही उनके लिए जांकी बनाने में भी लाल रंग का अधिक उपयोग करें।

### बृष राशि

इस राशि के स्वामी शुक्र हैं और प्रिय रंग सफेद है, इसलिए इस राशि के जातकों को भगवान कृष्ण को चटक सफेद रंग के वस्त्र पहनना चाहिए, साथ ही उनके लिए जांकी बनाने में भी इसी रंग का उपयोग करें।

### मिथुन राशि

इस राशि के स्वामी वृद्ध हैं और इनका प्रिय रंग हरा है। ऐसे में आप जन्मोत्सव के लिए कान्हा जी को हरे रंग के वस्त्र पहनाएं और घर में जांकी सजा रहे हैं तो हरे रंग का ही अधिक से अधिक उपयोग करें।

### कर्क राशि

इस राशि के स्वामी चंद्र हैं और इनका प्रिय रंग श्वेत है। ऐसे में इस राशि के जातकों को भगवान कृष्ण के बद्र भगवान कृष्ण को श्वेत रंग के पांडे करना चाहिए। साथ ही सजावट में भी इसी रंग का उपयोग करें।

### सिंह राशि

इस राशि के स्वामी सूर्य हैं और इनका प्रिय रंग लाल गुलाबी है, इसलिए भगवान कृष्ण का श्रृंगार में इसी रंग का उपयोग करें। उनके वस्त्र और जांकी के लिए सजावट इसी रंग में होना चाहिए।

### कन्या राशि

यदि आपकी राशि कन्या है तो आपको भगवान कृष्ण को भूरे रंग के वस्त्र पहनाना चाहिए। आपको बता दें कि आपकी राशि के स्वामी भी शनि ही है।

### मीन राशि

यदि आपकी राशि मीन है तो आपको भगवान कृष्ण को भूरे रंग के वस्त्र पहनाना चाहिए। आपको कान्हा जी की जांकी सजाने के लिए भी इसी रंग का उपयोग करना चाहिए।

## जब आखिरी बार कृष्ण ने बजाई बांसुरी क्यों तोड़ कर फेंक दी

हिन्दू पंचांग का छठवां महीना भाद्रपद ऋक्षवंधन के बाद ही शुरू हो जाता है और भाई-बहन के परिवर्त रिश्ते के पर्व के ठीक आठवें दिन कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाता है। यह पर्व कृष्ण भक्तों द्वारा देश और दुनिया में धूमधाम से मनाया जाता है। ऐसे में आप कृष्ण के लिए लाल रंग के वस्त्र पहनाएं।

### वृश्चिक राशि

यदि आपकी राशि वृश्चिक है तो आपको भगवान कृष्ण को भूरे रंग के वस्त्र पहनाना चाहिए। साथ ही सजावट में भी इसी रंग का उपयोग कर सकते हैं।

### धनु राशि

आपकी राशि धनु है तो इसके स्वामी बृहस्पति है और इनका प्रिय रंग पीला है, इसलिए आपको भगवान कृष्ण का श्रृंगार पीले रंग से करना चाहिए। यह रंग श्रीहरि का भी प्रिय है।

### मकर राशि

इस राशि के स्वामी शनि हैं, इसलिए आपको कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर कान्हा जी को श्याम वर्ण के वस्त्र पहनाना चाहिए। साथ ही सजावट में भी आप इस रंग का उपयोग करें।

### कंभ राशि

यदि आपकी राशि कंभ है तो आपको भगवान कृष्ण को भूरे रंग के वस्त्र पहनाना चाहिए। आपको बता दें कि आपकी राशि के स्वामी भी शनि ही है।

### वृंदावन में आखिरी बार बनाई बांसुरी

पुरुषों के अनुसार, जब वे कंस वध के लिए मथुरा में उड़ाने एक पल के लिए भी बांसुरी को खुद से अलग नहीं किया तो आपको भगवान कृष्ण को सुनकर या पढ़कर आज भी कोई दीवाना हो जाता है। भगवान कृष्ण को बचपन से ही बांसुरी काफी प्रिय थी। बांसुरी क्यों तोड़ दी थी थी।

### गोलांक धाम प्रस्थान करने से पहले मानव शरीर में वे एक बार फिर से भगवान कृष्ण से मिलता है कि जब भगवान ने राधारानी से विदा लेते हुए कभी ना मिल पाने की बात कही थी तो राधारानी ने कहा था कि गोलांक धाम प्रस्थान करने से पहले मानव शरीर में वे एक बार फिर से भगवान कृष्ण से मिलता है। भगवान ने उनके इस आदान प्रणाली को स्वीकृत किया था। इस दौरान उन्होंने विवाद में अखिरी बार बांसुरी बजाई थी और राधारानी से विदा लेने के बाद कहन्हा ने बांसुरी बजाना छोड़ दिया था।

पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते। स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद



## काफी प्राचीन है भगवान शिव का यह मंदिर यहाँ श्री कृष्ण ने की थी पूजा



उत्तर प्रदेश के जनपद अलीगढ़ के खेरेश्वर धाम मंदिर में भगवान श्री कृष्ण ने पांडों के साथ आकर शिवलिंग की पूजा की थी और हवन किया था। इसीलिए यह मंदिर सिद्ध पीठ खेरेश्वर धाम भगवान श्री कृष्ण अपने बड़े भाई बलराम के साथ आए हुए थे।

पांडों के साथ उन्होंने खेरेश्वर धाम स्थित शिव मंदिर पर हवन भी किया था, इसलिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खेरेश्वर धाम का मायता है और यहाँ श्री प्रतांक के श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ और श्री बांके के श्रद्धालु भगवान श्री कृष्ण के स्वरूप के दर्शन कर उनका आशोरांवत लेते हैं। स्वामी हरिदास जी की कर्म स्थलों के रूप में भी खेरेश्वर धाम को जाना शुरू हो गया है।

मंदिर कमटी के अध्यक्ष सतपाल सिंह ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण खेरेश्वर धाम में रुके हैं। इसके बाद श्री कृष्ण के रूप में भगवान श्री जगहों पर आपने हल की थुलाई की थी। इसी के चलते उस जगह को हलदुराज का नाम से जाने लगा। ब्रज की दहरी कहे जाने वाले अलीगढ़ का

खेरेश्वर धाम मंदिर एक ऐतिहासिक धर्मस्थल है। इस मंदिर का इतिहास द्वाषप्रकाल से जुड़ा हुआ है।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन करना चाहिए।

यहाँ भगवान श्री कृष्ण ने जाने लाल राजा की धरानी पर आपने दर्शन







## अनिल अंबानी की लिस्टेड कंपनियों के स्टॉक्स में बड़ी गिरावट

### 17 फीसदी तक लुढ़के शेयर्स

शेयर बाजार के रेग्युलेटर सेवी की एडीएसी ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी पर बड़ी कार्रवाई के बाद समूह के स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप के लिस्टेड स्टॉक्स शेयर बाजार में दिन के हाई से 17 फीसदी तक नीचे बढ़ी ने अनिल अंबानी को सिक्योरिटी मार्केट में भाग लेने पर पांच सालों के लिए प्रतिवंध लगा दिया है साथ ही उनपर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी ठोका गया है।

एडीएसी समूह के स्टॉक्स ऑर्डे मुंगेर सेवी ने अपने कार्रवाई की जानकारी सम्पर्क आदी ही रिलायंस इंफ्रा का स्टॉक 234.64 रुपये के दिन के हाई से 17 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 201.99 रुपये तक नीचे जा फिसला। जबकि गुरुवार की कोरोना ग्राइड 235.71 रुपये के लिए 14.30 फीसदी की गिरावट के साथ 201.99 रुपये तक नीचे लुढ़क गया।

समूह की दूसरी लिस्टेड कंपनी रिलायंस पावर

के स्टॉक में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला है। स्टॉक में 5 फीसदी की गिरावट आने के बाद 34.48 रुपये पर लोअर स्किट लग गया है। जबकि दिन के हाई 38.11 रुपये से 9.52 फीसदी की गिरावट स्टॉक में देखने को मिली है। रिलायंस होम फाइनेंस के स्टॉक में 5.12 फीसदी की गिरावट के साथ 4.45 रुपये पर लोअर स्किट लग गया है। दिन के हाई 4.92 रुपये से 9.55 फीसदी की गिरावट आई है।

अनिल अंबानी पर बड़ी कार्रवाई

सेवी ने अपने आदेश में अनिल अंबानी समेत 24 लोगों के जिम्मे लिस्टेड कंपनी में डार्केवर या मृद्घ मैनेजरियल पर्सनल के तौर पर कार्य करेंगे। साल 2018-19 में रिलायंस होम फाइनेंस के फंड डायरिंजन को लेकर मिली कई शिकायतों के बाद सेवी ने इसकी जांच की और पाया कि अनिल अंबानी ही इस प्रार्ड स्कीम के कार्रवाई कंपनी के फंड के गलत इस्तेमाल किए जाने के चलते लिया गया है।

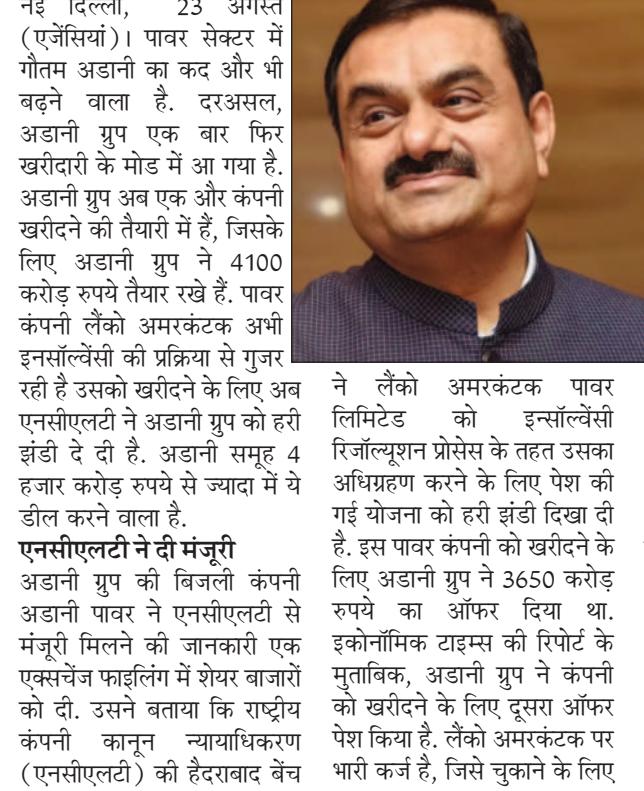
सेवी ने अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का पेनलटी भी लगाया है और वे ना तो सिक्योरिटी



मार्केट के साथ किसी प्रकार से जुड़े रहेंगे और न किसी लिस्टेड कंपनी में डार्केवर या मृद्घ मैनेजरियल पर्सनल के तौर पर कार्य करेंगे। साल 2018-19 में रिलायंस होम फाइनेंस के फंड डायरिंजन को लेकर मिली कई शिकायतों के बाद सेवी ने इसकी जांच की और पाया कि अनिल अंबानी ही इस प्रार्ड स्कीम के कार्रवाई कंपनी के फंड के गलत इस्तेमाल किए जाने के चलते लिया गया है।

सेवी ने अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का पेनलटी भी लगाया है और वे ना तो सिक्योरिटी

### 4100 करोड़ की डील और अडानी की झोली में आ गई एक और पावर कंपनी



कंपनी अपनी हिस्सेदारी बेच रही है।

**अडानी ग्रुप ने लगाई इनी बड़ी बोली**

लैंको अमरकंटक के ऊपर 15,633 करोड़ रुपये के बकाये हैं। उसे खरीदने के लिए अडानी समूह ने 4 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की तैयारी में है, जिसके लिए अडानी ग्रुप ने 4100 करोड़ रुपये तक तैयार रखे हैं। पावर कंपनी लैंको अमरकंटक अपी इन्सॉल्वेंसी की प्रक्रिया से जुरुर रही है। उसको खरीदने के लिए अब एनसीएलटी ने अडानी ग्रुप को हरी झंडी दे दी है। अडानी समूह 4 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा में ये डील करने वाला है।

**एनसीएलटी ने दी मंजरी**

अडानी ग्रुप की विजली कंपनी अडानी पावर ने एनसीएलटी से मंजूरी मिलने की जानकारी एक एक्सेंज फाइलिंग में शेयर बाजारों को दी। उसने बताया कि राष्ट्रीय कंपनी का कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की हैदराबाद बैच

ने लैंको अमरकंटक पावर को इन्सॉल्वेंसी रिंजिलूशन के तहत उसका अधिग्रहण करने के लिए पेश की गई योजना को हरी झंडी दिया दी है। इस पावर कंपनी को खरीदने के लिए अडानी ग्रुप ने 3650 करोड़ रुपये का औंकर दिया था। जिसके अंतीमिक अडानी ग्रुप ने कंपनी को खरीदने के लिए दूसरा ऑफर पेश किया है। लैंको अमरकंटक पर भारी कर्ज है, जिसे चुकाने के लिए एनसीएलटी को हरी झंडी दिया दी है। इस पावर कंपनी को खरीदने के लिए अडानी ग्रुप ने 4,100 करोड़ रुपये तक तैयार रखे हैं। पावर कंपनी लैंको अमरकंटक अपी इन्सॉल्वेंसी की प्रक्रिया से जुरुर रही है। उसको खरीदने के लिए अब एनसीएलटी ने अडानी ग्रुप को हरी झंडी दे दी है। अडानी समूह 4 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा में ये डील करने वाला है।

**एनसीएलटी ने दी मंजरी**

अडानी ग्रुप की विजली कंपनी अडानी पावर ने एनसीएलटी से मंजूरी मिलने की जानकारी एक एक्सेंज फाइलिंग में शेयर बाजारों को दी। उसने बताया कि राष्ट्रीय कंपनी का कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की हैदराबाद बैच

### सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड बंद कर सकती है सरकार

दावा- महंगी और जटिल पड़ रही योजना, जेब से देना पड़ रहा रिटर्न



नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। देश में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते

आयत पर लगाए गए नियमों

में सोने के बढ़ते









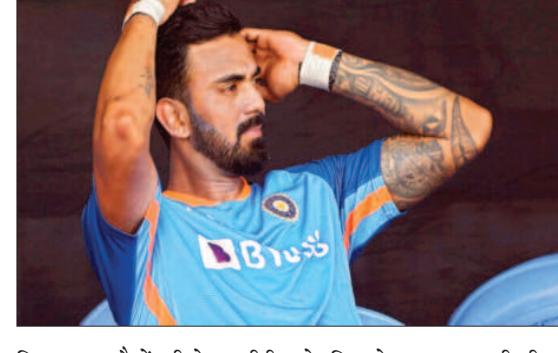
# नीरज चोपड़ा की ब्रांड वैल्यू 335 करोड़ रुपए पहुंची बांग्लादेशी क्रिकेटर शाकिब अल

> क्रिकेटर हार्दिक को पीछे छोड़ा > कोहली की ब्रांड वैल्यू में 29 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भैरव सोलारिपिक के जेवलिन श्री इंडेंट में सिल्वर मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा की ब्रांड वैल्यू 335 करोड़ रुपए हो गई है। उन्होंने भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ दिया है। पंड्या को ब्रांड वैल्यू 318 करोड़ रुपए है। नीरज के ब्रांड वैल्यू के साथ ही सालाना एंडोर्समेंट फीस में भी बढ़ोतरी हुई है। नीरज के अलावा भैरव सोलारिपिक में दो ब्रांड जीतने वाली मनु और कुश्ती में 50 लिंगों के बेटे केरणी में फाइनल तक पहुंचने वाली विनेश की भी एंडोर्समेंट फीस बढ़ी है। वहीं विराट कोहली की ब्रांड वैल्यू में 29 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वह भारत के सबसे मल्यवान सेलिब्रिटी बन गए हैं। उन्होंने बॉलीवुड के बड़े अभिन्न खेल और रणनीति से पीछे छोड़ दिया है।

नीरज चोपड़ा की वैल्यूशन 248 करोड़ रुपए से बढ़कर 335 करोड़ रुपए है। इकोनोमिक टाइम्स के अनुसार, नीरज चोपड़ा की ब्रांड वैल्यू 29.6 मिलियन अमरीकी डॉलर (248 करोड़ रुपए) से बढ़कर 40.4 मिलियन अमरीकी डॉलर बढ़ोतरी हुई है। उनकी एंडोर्समेंट फीस 3 (लगभग 335 करोड़ रुपए) से अधिक ब्रांड वैल्यू में चुकी है। इसके अलावा, मनु वैराट कोहली और एंडोर्समेंट फीस 25 लाख सालाना का चेहरा बनाने की होड़ मर्ची हुई है। भारत की एंडोर्समेंट फीस 25 लाख सालाना का चेहरा बनाने की होड़ मर्ची हुई है। इसके साथ थी, लेकिन अब वह उन्हें आगे प्रति डील से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपए हो गया है। इसके अलावा, वैराट कोहली की ब्रांड वैल्यू भारत के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बाकर की एंडोर्समेंट फीस 25 लाख सालाना का चेहरा बनाने की होड़ मर्ची हुई है। इसके साथ थी, लेकिन अब वह उन्हें आगे प्रति डील से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपए हो गया है। हार्दिक पंड्या की ब्रांड वैल्यू चुकी है। मनु ने हाल ही में सॉफ्ट ट्रिक्किंग कोहली की ब्रांड वैल्यूशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू

## केएल राहुल ने संन्यास की झूठी खबर के बीच शुरू की तैयारी 8 महीने बाद बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट टीम में होगी वापसी!



नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम में जगह नहीं दी गई थी, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ 25 लाख सालाना बढ़ोतरी के बाले प्रथमोंटों को बढ़ोतरी हुई है। उनकी एंडोर्समेंट फीस 3 (लगभग 335 करोड़ रुपए) से अधिक ब्रांड वैल्यू में चुकी है। इसके अलावा, मनु वैराट कोहली और एंडोर्समेंट फीस 25 लाख सालाना का चेहरा बनाने की होड़ मर्ची हुई है। इसके साथ थी, लेकिन अब वह उन्हें आगे प्रति डील से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपए हो गया है। इसके अलावा, वैराट कोहली की ब्रांड वैल्यू में चुकी है। मनु ने हाल ही में सॉफ्ट ट्रिक्किंग कोहली की ब्रांड वैल्यूशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू

जेमी स्मिथ ने चौथे टेस्ट मैच में ही कर दिया कमाल, ठोक दिया टेस्ट करियर का पहला शतक नहीं

दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने श्रीलंका के खिलाफ 25 लाख सालाना बढ़ोतरी के बाले प्रथमोंटों को बढ़ोतरी हुई है। उनकी एंडोर्समेंट फीस 3 (लगभग 335 करोड़ रुपए) से अधिक ब्रांड वैल्यू में चुकी है। इसके अलावा, मनु वैराट कोहली और एंडोर्समेंट फीस 25 लाख सालाना का चेहरा बनाने की होड़ मर्ची हुई है। इसके साथ थी, लेकिन अब वह उन्हें आगे प्रति डील से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपए हो गया है। इसके अलावा, वैराट कोहली की ब्रांड वैल्यू में चुकी है। मनु ने हाल ही में सॉफ्ट ट्रिक्किंग कोहली की ब्रांड वैल्यूशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू

।

खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए केएल राहुल की टीम इंडिया में वापसी हो सकती है।

राहुल को टेस्ट टीम में से कर्कट हो वापसी

इन सारी बातों के बीच सोशल मीडिया पर गुरुवार को किसी ने केएल राहुल का एक फेक अकाउंट बनाया और उनकी रिटायरमेंट की धोषणा कर दी। इसके बाद क्रिकेट जीत में हलचल मच कई और क्रिकेट फैंस हीन हो गए, लेकिन बाद में पता चला की ये किसी की शरात थी जिसने केएल राहुल का फेक अकाउंट बनाया उनके रिटायरमेंट की धोषणा कर दी थी। वैसे केएल राहुल ने अगली टेस्ट सीरीज के लिए तैयारी शुरू कर दी है और उनकी प्रैविट्स की तर्की भी सामने आ चुकी है। केएल राहुल ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच इस साल जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था और इस मैच में उन्होंने 86 और 22 रन का पारी खेली थी। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का ये वलहा मुकाबला था और इसके बाद राहुल इंजिंह हो गए थे और किर उन्होंने सीरीज से बाहर होना पड़ा था।

राहुल की टेस्ट सीरीज के लिए केएल राहुल की टीम इंडिया में वापसी हो सकती है।

उन्होंने एक बाले प्रथमोंटों को बढ़ोतरी हुई है। उनकी एंडोर्समेंट फीस 3 (लगभग 335 करोड़ रुपए) से अधिक ब्रांड वैल्यू में चुकी है। इसके अलावा, मनु वैराट कोहली और एंडोर्समेंट फीस 25 लाख सालाना का चेहरा बनाने की होड़ मर्ची हुई है। इसके साथ थी, लेकिन अब वह उन्हें आगे प्रति डील से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपए हो गया है। इसके अलावा, वैराट कोहली की ब्रांड वैल्यू में चुकी है। मनु ने हाल ही में सॉफ्ट ट्रिक्किंग कोहली की ब्रांड वैल्यूशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू

।

खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए केएल राहुल की टीम इंडिया में वापसी हो सकती है।

राहुल की टेस्ट टीम में होगी वापसी

इन सारी बातों के बीच सोशल मीडिया पर गुरुवार को किसी ने केएल राहुल का एक फेक अकाउंट बनाया और उनकी रिटायरमेंट की धोषणा कर दी। इसके बाद क्रिकेट जीत में हलचल मच कई और क्रिकेट फैंस हीन हो गए, लेकिन बाद में पता चला की ये किसी की शरात थी जिसने केएल राहुल का फेक अकाउंट बनाया उनके रिटायरमेंट की धोषणा कर दी थी। वैसे केएल राहुल ने अगली टेस्ट सीरीज के लिए तैयारी शुरू कर दी है और उनकी प्रैविट्स की तर्की भी सामने आ चुकी है। केएल राहुल ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच इस साल जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था और इस मैच में उन्होंने 86 और 22 रन का पारी खेली थी। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का ये वलहा मुकाबला था और इसके बाद राहुल इंजिंह हो गए थे और किर उन्होंने सीरीज से बाहर होना पड़ा था।

राहुल की टेस्ट सीरीज के लिए केएल राहुल की टीम इंडिया में वापसी हो सकती है।

रूट निकले आगे

यायस्वी जायसवाल ने गुरुवार तक वर्ल्ड टेस्ट चैपियनशिप 2023-25 में सबसे ज्यादा रन बनाने

## ब्रेक पर चल रहे यशस्वी जायसवाल को मिली 'बैड न्यूज़', छिन गया नंबर वन का ताज



बल्लेबाज थे। हालांकि इंग्लैंड के मैचों की 24 पारियों में 48.40 के औसत से 1065 रन बनाए हैं। रूट ने इस सर्कल में अधिक अवधारणा कर दी है। उन्होंने एक बल्लेबाजी के बाले प्रथमोंटों को बढ़ोतरी हुई है। उनकी एंडोर्समेंट फीस 3 (लगभग 335 करोड़ रुपए) से अधिक ब्रांड वैल्यू में चुकी है। इसके अलावा, मनु वैराट कोहली और एंडोर्समेंट फीस 25 लाख सालाना का चेहरा बनाने की होड़ मर्ची हुई है। इसके साथ थी, लेकिन अब वह उन्हें आगे प्रति डील से बढ़कर 1.5 करोड़ रुपए हो गया है। इसके अलावा, वैराट कोहली की ब्रांड वैल्यू में चुकी है। मनु ने हाल ही में सॉफ्ट ट्रिक्किंग कोहली की ब्रांड वैल्यूशन रिपोर्ट 2023 के अनुसार क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू

।

खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए केएल राहुल की टीम इंडिया में वापसी हो सकती है।

रूट निकले आगे

यायस्वी जायसवाल ने गुरुवार तक वर्ल्ड टेस्ट चैपियनशिप 2023-25 में सबसे ज्यादा रन बनाने की ताज

मुश्किल में थी

रायस्वी जायसवाल कोहली की टीम

# मंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन किया



हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण समाधान में एक वैश्विक नेता, केन्स ने शुक्रवार को राज्य आईटी, उद्यग, जिला प्रभारी मंत्री के साथ हैदराबाद में कोंगारकला, इब्राहिमपटनम मंडल, रांगोड़ी जिले में अपनी अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन किया। डुडिला श्रीधर अत्याधुनिक निरीक्षण प्रणाली,

सदस्य माल रेडी रांगोड़ी ने ज्योति प्रज्ञलित कर शुभारंग किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि कान्स टेकलॉनोजी कंपनी देश के 7 राज्यों के 10 शहरों में फैली हुई है और अब उच्च परिशुद्धता इलेक्ट्रॉनिक्स असेंबली, 3 ई. एसएलआर, कृष्णपटनम सहित 2018 करोड़ के निवेश के साथ तेलंगाना में स्थापित होना एक शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि हाल ही में सरकार ने एक प्रतिष्ठित काशल

सीसा रहित/आरओएचएस-अनुपालक प्रक्रियाएं होनी। उन्होंने कहा कि इस इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी की वहां स्थापना से इस क्षेत्र के दो हजार युवक-युवतियों को रोजगार मिलता। इब्राहिमपटनम नेता, कान्स स्थापित है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे गैर-प्रदूषणकारी संगठनों को हार सभव सहायता प्रदान करेंगे। रांगोड़ी ने कहा कि उनके क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण समाधान में वैश्विक नेता, कान्स स्थापित है। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र में अपनी अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन किया। डुडिला श्रीधर अत्याधुनिक निरीक्षण प्रणाली,

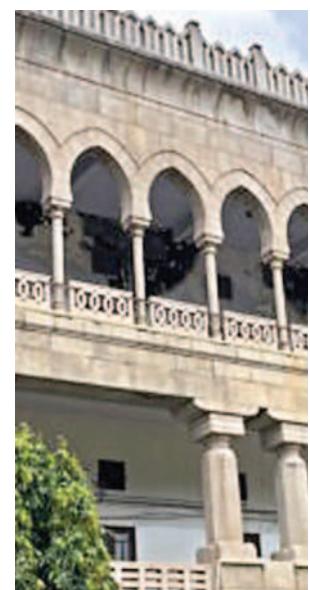
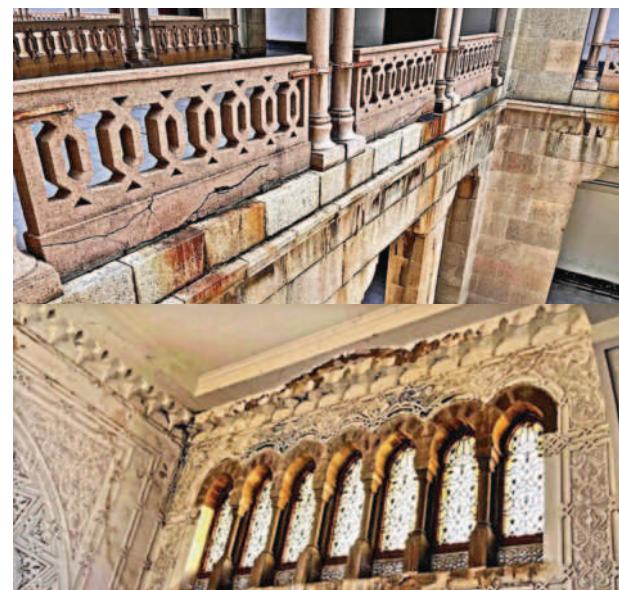
## दलित बंधु आवेदकों ने की सरकार से धन जारी करने की मांग

प्रजा भवन में किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दलित बंधु के तहत सहायता के लिए भवन में लाभार्थियों ने प्रजा भवन में विरोध प्रदर्शन किया। और राज्य सरकार से योजना के द्वारा चरण के तहत उन्होंने जारी की मांग की। विश्वी बीआरएस सरकार ने इस योजना के तहत दलितों को 10 लाख रुपये की सहायता देने की पेशकश की थी। चुनाव के द्वारा कांगड़ा पार्टी ने प्रति लाभार्थी सहायता बढ़ावक 12 लाख रुपये करने का वादा किया था और इस योजना का नाम बदलकर अंबेडकर अभ्यास हस्तम रख रख रखा। हालांकि, योजना के द्वारा चरण के तहत चुने गए लाभार्थी विश्वी बीआरएस सरकार द्वारा स्थिरकृत धनाशी जारी करने की मांग कर रहे थे। लाभार्थियों की इकाइयों स्थानांतरित करने की योजना और ऐसी इकाइयों के स्थानांतरित करने की आधारीका आधार पर, जिला कलेक्टर वर्धनाशी जारी करते हैं। शुक्रवार को प्रजावारी कार्यक्रम के तहत सरकार को ज्ञापन सौंपा गया। इससे पहले, तेलंगाना राष्ट्र दलित बंधु साधान इक्वा पोराटा समिति के तत्वावधान में 500 से अधिक लाभार्थियों ने प्रजा भवन तक एक लैली निकाली। दलित बंधु के तहत सहायता के लिए लाभार्थियों को शार्टेलीक्रिम किए हुए चार महीने से ज्यादा हो चुके हैं। तेलंगाना राष्ट्र दलित बंधु साधान इक्वा पोराटा समिति के अध्यक्ष कांगड़ा महेश ने कहा कि विश्वी सरकार ने भी अप्रत्येक लाभार्थी को 3 लाख रुपये मंजूर किए थे और अंतिम मंजूरी के लिए जिला कलेक्टर के पास लंबित थे। उन्होंने कहा कि हम राज्य सरकार से मांग करते हैं कि वह जिला कलेक्टरों को 3 लाख रुपये जारी करने के निर्देश जारी कर तकि लाभार्थी अपनी इकाइयों शुरू कर सके। उन्होंने लिए अतिरिक्त विश्वी बोझ है। वह उनके लिए कि अग्र भवन उनकी मांगों पर विचार नहीं करती है तो वे अपना विरोध प्रदर्शन और तेज करेंगे।

## उपेक्षा का शिकार आर्ट कॉलेज भवन

उस्मानिया विश्वविद्यालय के भवन को तत्काल मरम्मत की आवश्यकता दूर से ही दिखाई दे रही काती फ़ूफ़ू \* आधुनिक युग की वॉटरप्रूफिंग प्रणाली हुई विफल



हैदराबाद, 23 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के शैक्षणिक और राजनीतिक इतिहास का प्रतीक, उस्मानिया विश्वविद्यालय का कभी भव्य आर्ट कॉलेज भवन अब तकाल ध्वन देव की मांग कर रहा है। इमारत की बिगड़ी हालत, यानी से से से निवेश वालों के लिए बताहा सफूफू से इमारत जर्जर होती जा रही है। गुलाबी ग्रेनाइट की इमारत, जो कभी विश्वविद्यालय के लिए एवं गर्व का स्रोत था, वर्षी की उंधेश का शिकार हो गई है।

फ़ूफू की वृद्धि, न केवल संरचना को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि इमारत की दीवारों के भीतर समय बिताने वालों के लिए स्वास्थ्य जोखिम भी पैदा कर रही है। आदर्स कॉलेज की पहली मजित की दीवारों पर नमी की निशान एक साथ व्यापक रूप से छिप गई है।

शुरू किए जाएंगे प्रमुख मरम्मत कार्य। उस्मानिया विश्वविद्यालय प्रशासन ने शर्कितस्तर के निमाण के लिए 5 करोड़ रुपये के काम का अनुमान लगाने के शताब्दी समारोह के दौरान रांगोड़ी समारोह के दौरान शुरू किया गया था, लैकिन रिसाव के विषय पूरे कॉलेज को कवर नहीं किया जा सका, जो आधुनिक-वाटरप्रूफिंग सिस्टम के इस्तेमाल के बावजूद अभी भी बना हुआ है।